BBD GROUP

वॉयस ऑफ लखनऊ

सोमवार 8 जुलाई, 2019 लखनऊ, महानगर, वर्ष 14, अंक 185, 16 पेज 2.00 रुपए

www.facebook.com/voicepaper voicesoflucknow@gmail.com www.voicesoflucknow.com

सच, सिर्फ सच

51 विभूतियों को प्रकृति रत्न सम्मान

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। स्वच्छता का अभियान तब तक निरर्थक है जब तक कचरे का समुचित निस्तारण नहीं किया जाता है। बायो वेस्टेज कचरा नहीं है। इसे कचरे में मत बदलिए। यह बातें डीजी टेक्निकल महेंद्र मोदी ने रविवार को कैफी आजमी आडिटोरियम में कहीं। वह चैतन्य वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से आयोजित जल, पक्षी, पर्यावरण संरक्षण संगोष्ठी को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। संस्था की ओर से यहां 51 लोगों को प्रकृति रत्न सम्मान से विभूषित किया गया। विशिष्ट अतिथि राज्य सूचना आयुक्त सुभाष चन्द्र सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह ने जल संरक्षण को लेकर व्यवहारिक उपाय बताए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महापौर संयुक्ता भाटिया रहीं।

इनको मिला पर्यावरण मित्र सम्मान: आगरा के शैलेंद्र सिंह नरवार, लेखिका रितुजा सिंह बघेल, अतुल मदार, कुलदीप सिंह, अतुल तिवारी आक्रोश, कानपुर के संतोष सिंह, तारिका सिंह, अतुल मोहन सिंह, शर्मिला सिंह, मुकेश मिश्रा, रोहित सिंह चौहान, सीमा कौशिक, रागिनी दीक्षित, ममता सिंह, दिव्या शुक्ला, मुकेश सिंह, गुंजन वर्मा, सौमित्र त्रिपाठी, राधा बिष्ट, रीता सिंह, दीपक महाजन, जारा शेख, गंगासेवक कृष्णानंद राय, मधु अग्रवाल, वर्षा श्रीवास्तव, सरिता सिंह, वर्षा वर्मा, नीरजा शुक्ला, चंद्रप्रकाश, रंजना सिंह, रुचि रस्तोगी, वीना वर्मा, यशपाल अरोरा, प्रीति श्रीवास्तव, मानस चिरविजय, रीता सिंह, दिवाकर अवस्थी, पूजा श्रीवास्तव, गौरैया संरक्षक मिथिलेश जायसवाल, गायिका मंजू श्रीवास्तव, शैलजा पांडेय, स्वाति अहलूवालिया, राखी लाखन, दीप्ति जेटली, दीपा मौर्य, डॉ श्वेता श्रीवास्तव, शालिनी सिंह, मंजूलिका अस्थाना, अर्चना गोस्वामी, संतोष पांडेय, ज्योति किरण रतन, असनव गर्ग, परणिका श्रीवास्तव, स्निग्ध सिंह, गुनीत चावला, अंशिका त्यागी, स्वरा त्रिपाठी।